"दर्द"

धन्यवाद सांवरिया तुमको
जो कालीदास को जन्म दिया,
फिर भी सतरंगी दुनिया ने
उसका न कोई अर्थ लिया,
उसका न कोई अर्थ लिया

जन्मदात्री जननी भी नारी
स्नेहमयी बहना भी नारी
फिर क्यूँ दहेज़ के दानव ने
अपनी औरत को जला दिया
धन्यवाद सांवरिया तुमको~~~

अख़बार की ,उस खबर ने आज
मेरे दिल को यूं हिला दिया,
राणा ही खिलजी बने आज
रानी को जौहर करा दिया,
धन्यवाद सांवरिया~~~~

वो दर्द से यूं चिल्लाती रही
दहेज़ का दानव पिघला ही नहीं
तड़फ तड़फ सांसो की डोर को
क्यूँ अपने हाथों से मसल गया
धन्यवाद सांवरिया तुमको~~

कालिदास बन,मत काट उसे
नारी निर्मल,सशक्त सी डाली है,
जीवन की इस बगिया को,
देती हरदम खुशहाली है

ठंडी हवा के झोंके में
जहर ये कैसा घोल दिया
इस घिनोनी हरकत ने
अपना घर ही जला दिया
धन्यवाद सांवरिया ~~~

"महिला दिवस" के शुभ दिन पर
आह्वान सभी को करते हैं
उजड़ने ना देंगे, कोख में बेटी
बेटी को खूब पढ़ाएंगे
जीवन ज्योति जलाएंगे

-गोपाल कृष्ण "तनुज"